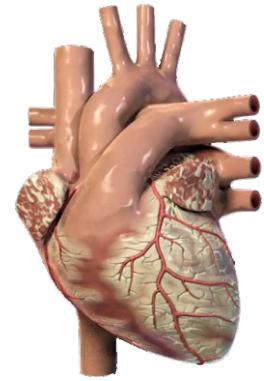


# हृदय और धड़कन

वर्ष-6, अंक-63, मार्च 20, 2015



Care Institute of Medical Sciences



Price Rs. 5/-

## कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780
डॉ. विनीत सांख्रला	+91-99250 15056
डॉ. जयराम प्रजापति	+91-82386 44222
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266
डॉ. केयूर परीम्ब्र	+91-98250 66664
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. हेमांग बड़ी	+91-98250 30111
डॉ. अनिश चंद्राणा	+91-98250 96922

## कार्डियक सर्जन

डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
डॉ. मनन देसाई	+91-96385 96669
डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933
<b>पिडियाट्रिक और स्ट्रक्चरल हार्ट सर्जन</b>	
डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502

## कार्डियोवास्क्युलर, थोरासीक और

### थोराकोस्कोपीक सर्जन

डॉ. प्रणव मोदी	+91-99240 84700
----------------	-----------------

## कार्डियक एनेस्थेटिस्ट

डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
डॉ. चिंतन शेर	+91-91732 04454
डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917

## पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट

डॉ. कश्यप शेर	+91-99246 12288
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107

## निओनेटोलोजीस्ट और

### पीडियाट्रिक इन्टेंसीवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400
------------------	-----------------

## कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजीस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. विनीत सांख्रला	+91-99250 15056

## शीराओं की बिमारीयां

जिस प्रकार धमनीया हृदय से शुद्ध रक्त को पुरे शरीर को पहुंचाती है उसी प्रकार शीराये अशुद्ध रक्त (रक्त जिसमें से ओक्सिजन का उपयोग हो चुका होता है) को वापस हृदय तक पहुंचाने का काम करती है। धमनीयों में रुकावट आने से हार्ट अटैक, लकवा व पावों का काला पड़ना जैसी बिमारीया होती है उसी प्रकार शीराओं में रक्त के संचार में रुकावट या अनियमित रक्त के प्रवाह से भी कई तरह की बीमारीयां पैदा हो सकती हैं। यहां पर हम शीराओं में होने वाली विभिन्न प्रकार की बीमारीयों का विवरण व चर्चा करेंगे।

## शीराओं की बीमारीयों के प्रकार व उपचार

**1. शीराओं में रक्त का धीरे बहना या वापस पीछे की और जाना तथा घाव हो जाना (Venous Insufficiency or Venous Stasis Ulcers)**

पांव की शीराओं में रक्त गुरुत्वाकर्ण शक्ति के विरुद्ध उपर की और जाता है इस प्रक्रिया में पांव की मासपेशीयों का संकुचन होना बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है, साथ ही साथ वन वे वाल्व रक्त को वापस पीछे नहीं आने देते हैं इससे शीराओं में रक्त एक ही दिशा में बहता है।

पांव की मासपेशीय में कसरत की कमी होने से (लम्बे समय तक किसी बिमारी की वजह से आराम करना), इसकी संभावना काफी बढ़

जाती है, साथ ही साथ लम्बे समय तक रक्त का प्रवाह कम होने की वजह से शीराओं के अंदर के वाल्व भी खराब हो जाते हैं तथा रक्त पीछे की ओर बहने लगता है जिससे पांव का रंग शुरुआतमें गहरा होकर तत्पश्चात घाव भी बन सकता है।



## लक्षण

- पांवों में सुजन आना।
- पांवों की चमड़ी का लाल हो जाना एवं खुजली आना।
- उपरोक्त लक्षण के साथ पांवों में घाव भी बन जाना।
- सामान्य इलाज से पांव के घाव का न भरना।



## इलाज

१. सोते समय पावो को थोड़ा उपर रखना
२. पावो की कसरत नीयमीत रूप से करना
३. चलते समय पावो में बेन्डेज (क्रेप बेन्डेज) का इस्तेमाल करना
४. अगर घाव हो जाये तो उसका तुरंत से वेस्क्युलर सर्जन को दिखाकर उपचार करवाना चाहिए।

## २. वेरीकोज वेन (शीराओं का अप्राकृतिक रूप से फुल जाना-Varicose Vein)

पांव की चमड़ी के तुरंत नीचे वाली शीराये फुल जाती है तथा अप्राकृतिक तरीके से चमड़ी पर फैली हुई दिखाई देती है। वैसे तो यह कोई तकलीफ पैदा नहीं करती है लेकिन लम्बे समय तक रहने से चमड़ी गहरी रंग की होकर उसमें खुजली चालू हो सकती है तथा दिखने में भी बहुत बदसुरत दिख सकती है। इस बीमारी का मुख्य कारण पांव के उपर की शीराओं के अंदर का वाल्व खराब होना माना जाता है।



## उपचार :

१. बहुत कम फुलाव वाले मरीज केवल बेन्डेज से काम चला सकते हैं।



वेरीकोज वेन के इलाज की प्रक्रिया



उपचार के पहले                  उपचार के बाद

२. बहुत ज्यादा फुली हुई शीराओं के लिये एक नये तरीके का केथेटर एब्लेशन नामक पद्धति (Varicose Vein Ablation by Laser or Radio frequency Waves) से पुरा इलाज किया जा सकता है।
३. इस नई पद्धति के इलाज की असर जल्दी होती है तथा वापस होने की संभावना भी बहुत कम होती है।

## ३. शीराओं में रक्त का थक्का बन कर बंद हो जाना (डीप वेन थ्रोम्बोसीस, DVT)

कभी कभी शीराओं में रक्त गाड़ा हो कर जम जाता है उससे पांव में काफी सुजन आ जाती है। इसका मुख्य कारण किसी बीमारी की वजह से काफी लंबे समय तक आराम करना माना जाता है।



## डीप वेन थ्रोम्बोसीस (DVT) होने के मुख्य कारण व परीस्थीतीया

१. लम्बे समय तक बैठना (जैसे लम्बी दूरी की हवाई यात्रा) या कोई प्रकार का व्यायाम न करना
२. मोटापा
३. हार्मोन थेरापी या बर्थ कंट्रोल पील्स का उपयोग करना
४. कुल्ले, घुंटने, पाव, पेट व छाती के ऑपरेशन के तत्पश्चात
५. धुम्रपान करना
६. शरीर की कोई भी मुख्य हड्डी का टुट जाना व उसके इलाज के बाद रीकवरी के दौरान
७. केन्सर के इलाज के दौरान
८. वंशानुगत रक्त के थक्के बनने की समस्या
९. लकवे या कीसी अन्य बीमारी की वजह से लम्बे समय तक पलंग पर रहना
१०. गर्भावस्था के दौरान
११. बहुत ज्यादा वेरीकोज वेईन का होना



## लक्षण :

१. पांव का सुज जाना तथा दर्द होना
२. पांव का लाल व काला पड़ जाना
३. पांव में घाव पड़ जाना
४. लम्बे समय तक इसका इलाज ना करवाये तो यह जानलेवा बीमारी पल्मोनरी एम्बोलीझम भी पैदा कर सकती है।

## उपचार :

प्रारंभिक अवस्था में सुजन कम करने की दवा व एन्टीबायोटिक दवा से मरीज को आराम मिलता है। इसके साथ ही खुन को पतला करने का इंजेक्शन व गोलीया चालु करनी पड़ती है। 50 प्रतिशत लोगों को इंजेक्शन व गोलीयों से काफी आराम हो जाता है।

जिन लोगों को दवाई से आराम नहीं होता है तो उनके लिये नवीन तकनीकी से (Catheter Directed Thrombolysis or Thrombosuction) केथेटर द्वारा रक्त के थक्के को बाहर निकालने का उपचार कीया जाता है।

जो लोग रक्त को पतला करने की दवाई न ले सके या जिसमें दवा देने में रक्त प्रवाह का जोखिम हो उन लोगों में पल्मोनरी एम्बोलीझम को होने से बचाने के लिये आड़वीसी फिल्टर (IVC Filter) डाला जाता है।

## 4. एक्युट पल्मोनरी एम्बोलिज्म (Acute Pulmonary Embolism)

यह शीराओं में रक्त जम जाने तथा उसके वहां से छुटकर फेफड़े की मुख्य नली में चले जाने की वजह से होता है। यह एक घातक व जानलेवा बीमारी है। इसका तुरंत पता लगाकर इलाज करवाने में ही सबसे बड़ी समझदारी है। जितना ज्यादा बड़ा खुन का थक्का फेफड़े में जाता है उतनी ही ज्यादा तकलीफ मरीज़ को होती है। इसीजी, इको, सीटी स्कैन से इस बीमारी का पता लगाया जाता है।

## लक्षण

१. अचानक श्वास में तकलीफ होना
२. रक्त में ऑक्सिजन की मात्रा में कमी आना
३. धड़कन का बढ़ जाना
४. ब्लड प्रेशर का कम हो जाना

## उपचार :

इस जानलेवा बीमारी का पता चलते ही तुरंत मरीज को इन्टर्नेसीव केर युनीट में भर्ती करके ऑक्सिजन चालु की जाती है। खुन के थक्के को जो कि फेफड़े में रक्त के संचार को अवरोध कर रहा है उसको गलाने के लिये खुन को पतला करने का इंजेक्शन (जो हम साधारण तया हार्ट अटैक के मरीज़ को देते हैं) चालु किया जाता है। इंजेक्शन का असर आने से रक्त में ऑक्सिजन की मात्रा फिर से बढ़ने लगती है व जान का जोखिम टल जाता है। यदी मरीज़ को खुन पतला करने के इंजेक्शन से आराम नहीं मिलता तो नवीन केथेटर पद्धति (Pulmonary Thrombosuction) से रक्त के थक्के को बहार निकालने की प्रक्रीया की जाती है।

## सौजन्य

### डॉ. सत्य गुप्ता

एम.डी., डी.एम. कार्डियोलोजी (सीएमसी वेल्लोर)

फेलो इन इन्टरवेन्शनल कार्डियोलोजी (फ्रान्स)

फेलो इन अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी (FACC)

फेलो युरोपीयन सोसायटी ऑफ कार्डियोलॉजी (FESC)

रेडियल इन्टरवेन्शन्स के विशेषज्ञ

मोबाइल : +91-99250 45780

ई-मेल : [satya.gupta@cims.me](mailto:satya.gupta@cims.me)

[www.drsatyagupta.com](http://www.drsatyagupta.com)

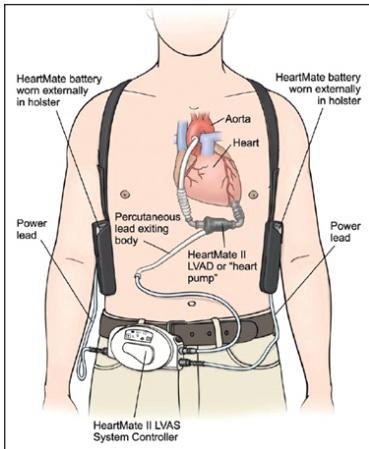
डॉ. सत्य गुप्ता ने हाल ही में राजस्थान के एक Acute Pulmonary Embolism के साथ DVT से ग्रस्त मरीज का सफलतापूर्वक नयी पद्धति से उपचार किया। इस नवीन शोध को प्रस्तुत करने के लिये डॉ. सत्य गुप्ता को अमेरीका (शिकागो) में हुए शीराओं की बीमारीयों के वर्कशोप में आमंत्रित किया गया। विश्व के विभिन्न देशों से आये हुये चिकित्सकों ने इस बीमारी का नई पद्धति से इलाज करने के तरीके की काफी सराहना की।



## कमजोर हृदय के लिए नया ईलाज

**कमजोर हृदय और हार्ट फेल्योर क्या है ?**

बड़े पैमाने पर, जो हृदय की मांसपेशी के कमजोर होने तथा संपूर्ण शरीर में रक्त की पर्याप्त मात्रा को पंप करने में असमर्थ होने पर विकसित होती है। हृदपात की स्थिति समय के साथ बिगड़ती जाती है तथा आम तौर पर यह उच्च रक्तचाप, दिल का दौरा, वाल्व के रोग और हृदय रोग के अन्य रूपों अथवा जन्म दोषों के कारण होती है। उपचार न करने, पर्याप्त रक्त प्रवाह की कमी उत्तरोत्तर अंगों के विफल होने का कारण होती है, जिसके परिणामस्थाप अनेकों चिकित्सीय जटिलताएं उत्पन्न होती हैं जो व्यक्ति को जीनव स्तर को बिगड़ा देती है तथा अक्सर मृत्यु भी हो जाती है।



यदि आपकी या आपके किसी

परिचित को हृदपात है, जिसे कंजेस्टिव हृदपात भी कहा जाता है, तो आप अकेले ऐसे व्यक्ति नहीं हैं। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार पांच लाख से अधिक अमेरिकन हृदपात की बीमारी के साथ रह रहे हैं, जिनमें लगभग 6,70,000 नए मामलों की प्रति वर्ष पहचान की गयी।

हृदपात से पीड़ित व्यक्तियों को अक्सर सांस और थकान की तकलीफ होती है। वर्षों तक अवरुद्ध धमनियों या उच्च रक्तचाप रहने से आपका हृदय आपके शरीर के लिए पर्याप्त रक्त को पंप करने हेतु काफी कमजोर हो सकता है। बदतर लक्षणों के रूप में, हृदपात की उन्नत स्थिति विकसित होती है। उन्नत हृदपात एक गंभीर स्थिति होती है। हालांकि आपको बदतर लक्षणों से राहत पाने के लिए तरीके मिल सकते हैं, जैसे कम सक्रिय होना, कम तरल पदार्थ पीना, तथा तकिए के साथ सोना, फिर भी आपका दैनिक जीवन का आनंद प्रभावित हो सकता है। उन्नत हृदपात को प्रबंधित करने की कुंजी नियंत्रण करना है। यह आपके उपर निर्भर करता है कि आप अपने डॉक्टर के सुझावों का पालन करें तथा स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक जीवन शैली में सुधार करें।

**VAD इलाज के बारे में**

मिकेनिकल रक्तवाही सपोर्ट (MCS) रक्त पंप जिसे वेन्ट्रिक्युलर असिस्ट डिवाइस (VADs) कहा जाता है का प्रयोग रक्त प्रवाह को बेहतर करने के लिए करता है। यह शरीर में रक्त को पंप करने में हृदय की मदद करता है। यह हृदय को प्रतिस्थापित नहीं करता है। डिवाइस को प्रत्यारोपित करने के लिए रोगियों को सर्जरी करानी होती है। हृदय के प्रत्यारोपण के लिए प्रतीक्षारत रोगियों के लिए, VAD उनको हृदय के दानकर्ता के मिलने तक जीवित बने रहने में मदद कर सकता है। इसे प्रत्यारोपण के लिए सेतु के रूप में जाना जाता है। कुछ उन्नत हृदपात के रोगी अन्य बीमारियों या उम्र के कारण प्रत्यारोपण के लिए प्रत्याशी नहीं हो सकते हैं। रोगी दीर्घकालिक VAD सपोर्ट से लाभान्वित हो सकते हैं। कभी-कभी VAD से रोगियों के हृदय बेहतर हो जाते हैं। ऐसा असलिए होता है क्योंकि पंप हृदय को आराम का अवसर देता है।

**LVAD क्या है?**

लेफ्ट वेन्ट्रिक्युलर असिस्ट डिवाइस का प्रतीक LVAD है। यह मिकेनिकल डिवाइस है जो हृदय के द्वारा स्वयं रक्त को पंप करने में कमजोर होने पर संपूर्ण शरीर में रक्त को परिचालित करती है। इसे कभी कभी “हृदय की पंप” अथवा “VAD” कहा जाता है। हार्टमेट II लघुरूप में निर्मित प्रत्यारोपित करने योग्य LVAD है जोकि चिकित्सा प्रोद्योगिकी में महत्वपूर्ण खोज का प्रतीक है तथा शीघ्र ही विश्व में अपने प्रकार की सबसे व्यापक रूप में प्रयोग की जाने वाली डिवाइस हो गयी है।



**हार्टमेट II कैसे कार्य करती है?**

रोगी के बाएं वेन्ट्रिकल के पंपिंग कार्य को लेने के लिए हार्टमेट II को डिजाइन किया गया है। डिवाइस को पेट में डायफ्राम के ठीक नीचे लगाया जाता है। इसे बाएं वेन्ट्रिकल, तथा महाधमनी, मुख्य धमनी से जोड़ा जाता है जो ऑक्सीजनयुक्त रक्त को बाएं वेन्ट्रिकल से संपूर्ण शरीर में ले जाती है। एक बाहरी, पहनने योग्य प्रणाली जिसमें एक छोटा नियंत्रण तथा दो



बैटरी शामिल होती है एक बाहरी ड्राइवलाइन द्वारा संलग्न होती है। पहनने योग्य प्रणाली को या तो कपड़ों के अंदर या कपड़ों के उपर पहना जाता है।

## हार्टमेट II कैसे हृदपात के रोगी की मदद करती है?

हार्टमेट II रोगी को अधिक आसानी से सांस लेने तथा कम थकानयुक्त महसूस करने में समर्थ करके, संपूर्ण शरीर में रक्त प्रवाह को बहाल करने के लिए डिजाइन की गयी है। रोगी के अंग, LVAD प्राप्त करने से पहले प्राप्त कर रहे रक्त से अधिक रक्त प्राप्त करेंगे, और इससे उनके अंगों की कार्यप्रणाली में सुधार होने की संभावना होगी। LVAD प्राप्त करने के बाद, रोगी सामान्यतः अधिक उर्जावान महसूस करते हैं तथा सामान्य गतिविधियों को फिर से शुरू करने में सक्षण होते हैं जिन्हें डिवाइस के प्राप्त करने से पहले वे करने में असमर्थ थे।



## रोगी कैसे हार्टमेट II से सक्रिय हो सकते हैं?

यूंकि रोगी डिवाइस को प्राप्त करने से पहले कमज़ोर हृदय की गंभीर अवस्था में होते हैं, वे बहुत ही कमज़ोर होते हैं तथा आम तौर पर गतिविधि के स्तर में बहुत ही सीमित होते हैं। हार्टमेट II को प्राप्त करने के बाद, रोगी पानी से भीगने की प्राथमिक पाबंदी के साथ, अपनी मनपसंद दैनिक गतिविधियों के लिए लौट सकते हैं। बहुत से रोगी कार्य के लिए लौटने में तथा अपने शौक फिर से शुरू करने में समर्थ होते हैं जिन्हे करने के लिए वे वर्षों से समर्थ नहीं थे।

## क्या उन्नत हृदपात से पीड़ित रोगियों के लिए हार्टमेट II एक अच्छा उपचार विकल्प है?

हाँ, अतीकमज़ोर हृदय के मामलों में हार्टमेट II को देखभाल का एक मानक माना जाता है। अध्ययनों ने दर्शाया है कि LVAD से उपचार किए गए उन्नत हृदपात के रोगी केवल दवाइयों के इलाज से उपचार किए जा रहे रोगियों की तुलना में अधिक समय तक जीवित रह सकते हैं तथा काफी बेहतर जीवन स्तर का आनंद ले सकते हैं। यु.एस. में लगभग 50,000 – 1,00,000 हार्ट फेल्योर के रीग हैं जो LVAD से लाभान्वित हो सकते हैं।

बैटरी कितनी अवधि तक कार्य करती है?

LVADs को सपोर्ट करने के लिए प्रयुक्त नवीनतम पीढ़ी की बैटरियों को 14 घंटे तक रिचार्ज करने की जरूरत नहीं होती है।

## कौन हार्टमेट II ले सकता है?

हार्ट फेल्योर से पीड़ित रोगी तथा जो चिकित्सा उपचार की सीमाओं से थक गए हैं वे प्राप्त करने के लिए प्रत्याशी हो सकते हैं। रोगी के हृदय को आराम देने तथा पंपिंग के कार्य को लेने में समर्थ होने की डिवाइस की क्षमता के कारण, यह दिखाया गया है कि LVAD कमज़ोर हुए हृदय को अपने कुछ कार्य को फिर से करने के लिए अवसर प्रदान करता है। रोगियों को डॉक्टर से परामर्श करना चाहिए यदि वे LVAD इलाज के लिये प्रत्याशी हैं।

## क्या हार्टमेट II लगे किसी व्यक्ति में अभी भी स्पंदन होता है?

एक रोगी जिसे हार्टमेट II प्रत्यारोपित किया गया है उसका नाड़ी स्पंदन सामान्यतः घटा हुआ होता है। इसका कारण यह है कि हार्टमेट II रक्त हो हृदय से शरीर में हृदय गति के साथ लगातार ले जाता है।

## LVADs कितने बड़े हैं?

LVADs के आकार में अंतर होता है, लेकिन हार्टमेट II सभी FDA में सबसे छोटा - अनुमोदित LVADs माप लगभग 3 इंच लंबा तथा वजन लगभग 10 आउंस होता है।

## में कहा LVAD पा सकता हूँ

विश्वभर में 200 से अधिक केन्द्र हैं जो हार्टमेट II को प्रत्यारोपित कर रहे हैं। अब सीम्स अस्पताल प्रत्यारोपण के लिए प्रमाणित है।

**डॉ. धीरेन शाह, डॉ. मिलन चग और डॉ. निरेन भावसार को  
यह प्रोसिजर के लिये संमति एवं सर्टीफीकेट मिला है।**

### सीम्स कार्डियाक सर्जरी टीम

डॉ. ध्वल नायक   +91-90991 11133	डॉ. मनन देसाई   +91-96385 96669	डॉ. धीरेन शाह   +91-98255 75933
---------------------------------	---------------------------------	---------------------------------

### सीम्स कार्डियाक अनेस्थेटीस्ट टीम

डॉ. हिरेन धोलकीया   +91-95863 75818	डॉ. चिंतन शेठ   +91-91732 04454	डॉ. निरेन भावसार   +91-98795 71917
-------------------------------------	---------------------------------	------------------------------------





CIMS

सीम्स अस्पताल अब प्रस्तुत कर रहा हैं

# CIMS WOMEN

महिलाओं के जीवन के प्रत्येक चरण में सम्पूर्ण सार्वार  
यह अवसर पर सीम्स सिम्स प्रस्तुत कर रहा हैं  
आप के लिए विशेष डिस्काउंट पेकेज



## विशेष डिस्काउंट कुपन

कन्सल्टेशन	₹300
पेपस्मीअर	20 % डिस्काउंट
मेमोग्राफी	20 % डिस्काउंट
सोनोग्राफी	20 % डिस्काउंट

डिस्काउंट के लिए यह कुपन साथ में लाना आवश्यक हैं।

जुलाई 31, 2015 तक ही मान्य



## सीम्स अस्पताल में उपलब्ध सुविधाएं

- ◆ गर्भावस्था, प्रसूति देखभाल और उपचार, जोखिम प्रसूति
- ◆ बांझपन का जांच और उपचार
- ◆ मेनोरेजिया क्लिनिक (अत्यधिक मासिक की जांच और उपचार )
- ◆ सफेद पानी की समस्या
- ◆ मेनोपोज्झा की जांच, सलाह और उपचार
- ◆ युरीन लीकेज की समस्या
- ◆ विभिन्न प्रकारों के केन्सर के लिए स्क्रीनिंग और ईलाज की सुविधा
- ◆ गर्भनिरोध और फेमिली प्लानिंग
- ◆ तरुणावस्था का मार्गदर्शन
- ◆ दुर्बीन से होती लैप्रोस्कॉपिक और हिस्ट्रोस्कॉपिक सर्जरी
- ◆ प्रत्येक प्रकर की गायनेक सर्जरी
- ◆ गर्भावस्था के दौरान (फिटल) सोनोग्राफी और कुरुपता का निदान और उपचार
- ◆ गर्भाशय के मुख वी कैंसर प्रतिरोधी टीके

जब आप सीम्स अस्पताल में ऑ.पी.डी. के लिए आते हैं तब महिलाओं के लिए हो रहे स्पेशल (विशेष) हेल्थ चेकअप का लाभ लिजिए।

सीम्स वुमन विशेषज्ञ और अनुभवी डॉक्टरों से सुसज्जित हैं  
उपरांत यहा पर जटिल उपकरण के दारा निदान और उपचार होता है।

डॉ. स्नेहा बक्षी

कन्सल्टेंट गायनेकोलॉजिस्ट

MD (Obst. &amp; Gynec)

(मो) +91-98255 07370

ई-मेल: [sneha.baxi@cimshospital.org](mailto:sneha.baxi@cimshospital.org)

डॉ. नीता ठाकरे

कन्सल्टेंट गायनेकोलॉजिस्ट

MD (Obst. &amp; Gynec)

(मो) +91-98250 42238

ई-मेल: [nita.thakre@cimshospital.org](mailto:nita.thakre@cimshospital.org)

**CIMS**<sup>®</sup>  
Care Institute of Medical Sciences  
At CIMS... we care


सीम्स अस्पताल: शुकन मॉल के पास,

ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.

एपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-3010 1200, 3010 1008 (मो) +91-98250 66661





# रिनल (किडनी) ट्रान्सप्लान्ट

अब से सीम्स अस्पताल, अहमदाबाद में

विश्व की अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी की सुविधा के साथ

1000 से भी अधिक रिनल ट्रान्सप्लान्ट करने वाली अनुभवी और कुशल टीम



**सीम्स अस्पताल:** शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.  
एपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-3010 1200, 3010 1008 (मो) +91-98250 66661



CIMS

## लेप्रोस्कोपीक, हर्निया और ओबेसीटी (बेरीयाट्रीक) सर्जरी केम्प

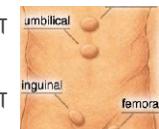


### ओबेसीटी (मोटापा)

- क्या आप जानते हों,
- ◆ ओबेसीटी (मोटापा) से कई प्रकार के रोग होते हैं ?
- ◆ ओबेसीटी वंधत्य का कारण बन सकती है ?
- ◆ ओबेसीटी सर्जरी से डायाबिटीस, हृदयरोग, बीपी, जोड़ो के दर्द जैसे रोगों को मीटाया जा सकता है ?

### हर्निया

- ◆ ओपन सर्जरी के बदले लेप्रोस्कोपीक हर्निया सर्जरीसे कम दर्द और जल्दी रीकवरी आती है।
- ◆ लेप्रोस्कोपीक सर्जरीसे जाली में इन्फेक्शन (संक्रमण) की मात्रा कम होती है।
- ◆ ओपन सर्जरी के बदले लेप्रोस्कोपीक सर्जरी से आपकी रोजाना जिंदगीमें जल्दी वापसी हो सकती है।



- ◆ निःशुल्क कन्सलटेशन और वजन कम करने की सलाह (सिर्फ मई महिने के लिये)
- ◆ लेप्रोस्कोपीक हर्निया और बेरीयाट्रीक सर्जरी के लिये विशेष पैकेज (सिर्फ मई महिने के लिये)

पहले अपोइन्टमेन्ट लेनी आवश्यक । अपोइन्टमेन्ट के लिये संपर्क करें

**+91-79-3010 1200, 3010 1008 (मो) +91-98250 66661 (सुबह 9 से शाम 6 बजे तक)**



**सीम्स अस्पताल:** शुकन मॉल के पास,  
ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.



"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021

Published 20<sup>th</sup> of every month

Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 1<sup>st</sup> to 7<sup>th</sup> of every month under  
Postal Registration No. GAMC-1730/2013-2015 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31<sup>st</sup> December, 2015

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2771 2771-75 (5 lines)

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"હૃદય ઔર ધડકન" કા અંક પ્રાપ્ત કરને કે લિયે : અગર આપકો "હૃદય ઔર ધડકન" કા અંક ચાહિએ તો ઇસકા મૂલ્ય ₹ 60 (12 અંક) હૈ ।

ઇસકો પ્રાપ્ત કરને કે લિયે કેશ યા ચેક/ડીડી સીમ્સ હોસ્પિટલ પ્રા. લી. કે નામ સે ઔર આપકા નામ ઔર પુરે પતે કે સાથ હમારી ઓફિસ હૃદય ઔર ધડકન ડિપાર્ટમેન્ટ,  
સીમ્સ અસ્પિતાલ, શુકન મોલ કે પાસ, ઓફ સાયન્સ સિટી રોડ, સોલા, અહુમાબાદ-380060 પર ભેજ દે । ફોન નં. : +91-79-3010 1059/1060



## સીમ્સ લાયન્સ કાર્ડિયાક સેન્ટર અબ સે લાયન્સ જનરલ હોસ્પિટલ, મહેસાણા મે ઉત્તર ગુજરાત ઔર રાજસ્થાન કે મરીજો કે લિયે વિશેષ સુવિધા

સોમવાર સે શનિવાર

સુબહ 9 સે શામ 6 બજે તક

ડૉ. જયરામ બી. પ્રજાપતિ

DNB (Medicine), DNB (Cardiology)

ઇન્ટરવેન્શનલ કાર્ડિયોલોજિસ્ટ

મોબાઇલ : +91-70961 08323

ઈમેલ : [jayaram.prajapati@cimshospital.org](mailto:jayaram.prajapati@cimshospital.org)

હર ગુરુવાર

સુબહ 11 સે શામ 6 બજે તક

ડૉ. વિનીત સાંખલા

MD, DM - Cardiology (CMC Vellore), FESC, FISE  
Fellow - Mayo Clinic, Rochester, USA

ઇન્ટરવેન્શનલ કાર્ડિયોલોજિસ્ટ ઔર

કાર્ડિયાક ઇલેક્ટ્રોફિજિયોલોજીસ્ટ

મોબાઇલ : +91-99250 15056

ઈમેલ : [vineet.sankhla@cimshospital.org](mailto:vineet.sankhla@cimshospital.org)

[www.drvineetsankhla.com](http://www.drvineetsankhla.com)

અપોઝન્ટમેન્ટ કે લિયે સંપર્ક કરે  
ફોન : +91-98249 66881

ઉપલબ્ધ સુવિધાએँ

- ◆ કાર્ડિયાક કન્સલટેશન
- ◆ ઇકોકાર્ડિયોગ્રાફી
- ◆ ટી.એમ.ટી. ઔર ઇ.સી.જી.
- ◆ એન્જિયોગ્રાફી
- ◆ એજિયોપ્લાસ્ટી ઔર સ્ટેન્ડ્સ
- ◆ પેસમેકર ઇમ્પ્લાન્ટેશન

સીમ્સ લાયન્સ કાર્ડિયાક સેન્ટર, લાયન્સ જનરલ હોસ્પિટલ, જેલ રોડ, મહેસાણા - 384002.

CIMS Hospital : Regd Office: Plot No.67/1, Opp. Panchamrut Bunglows, Nr. Shukan Mall, Off Science City Road, Sola, Ahmedabad - 380060.

Ph. : +91-79-2771 2771-75 (5 lines) Fax: +91-79-2771 2770.

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | [info@cims.me](mailto:info@cims.me) | [www.cims.me](http://www.cims.me)

મુદ્રક, પ્રકાશક ઔર સંપાદક ડૉ. હેમાંગ બઢી ને સીમ્સ અસ્પિતાલ કી ઓર સે

હરિઓમ પ્રિન્ટરી, 15/1, નાગોરી એસ્ટેટ, ઈ.એસ.આર્ડી ડિસ્પેન્સરી, દુધેશ્વર રોડ, અહુમાબાદ-380004 સે મુદ્રિત કિયા ઔર

સીમ્સ અસ્પિતાલ, શુકન મોલ કે પાસ, ઓફ સાયન્સ સિટી રોડ, સોલા, અહુમાબાદ-380060 સે પ્રકાશિત કિયા ।